जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू

Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 15 संख्याः 93 प्रभात चूरू, रविवार 30 जुलाई, 2023 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

जलमहल बना समंदर। भारी बारिश के बाद जलमहल का पानी पाल और सड़कों पर बहने लगा। मानो सड़कों को भी झील ने अपने दायरे में ले लिया। झील और सड़क पर बहते पानी का एक समान जलस्तर देखकर पुलिस ने बैरिकेडिंग कर यातायात रोका। जलमहल में आने वाले नाले के ओवर फ्लो होने से आसपास की दुकानों और कॉलोनियों में भी पानी भर गया। बीते 24 घंटों में जयपुर में 8 इंच बारिश दर्ज की गई है। मौसम विभाग ने अभी और बारिश होने की संभावना जताई और ऑरेन्ज अलर्ट जारी किया।

'इण्डिया का इक्कीस सदस्यीय प्रतिनिधि मण्डल दो दिवसीय यात्रा पर मणिपुर पहुंचा

विचलित भाजपा की ओर से सूचना प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने इस यात्रा को ''फोटो ऑपरच्यूनिटी'' बताया

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 जुलाई। पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर, जो तीन माह से अधिक समय से जातीय हिंसा से त्रस्त है, की वास्तविक स्थिति का आकलन करने के लिए आज विपक्षी गठबंधन इंडिया का 21-सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल मणिपुर गया, सत्तारूढ़ भाजपा चिढ़ गई। सूचना-प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने इसे ''महज़ दिखावा'' बताया है।

उन्होंने कहा, ''यह एक दिखावा मात्र है। जब यह आई.एन.डी.आई.ए. (इंडिया) मणिपुर से लौटेगा, मैं अधीर रंजन चौधरी से पूछना चाहूँगा कि क्या वे अपने राज्य में महिलाओं के खिलाफ हो रहे अपराधों का समर्थन करते हैं। क्या विपक्षी मोर्चे के ये सांसद राजस्थान तथा पश्चिम बंगाल की स्थिति पर भी अपनी रिपोर्ट देंगे।'' वे विपक्ष शासित राज्यों में महिलाओं पर हो रहे अत्याचारों की तुलना मणिपुर की घटनाओं से करके, मणिपुर की स्थिति को कम महत्व की भाजपा की तयशुदा नीति पर अडिग दिखाई दिये।

इससे पूर्व, एक राहत-शिविर का दौरा करने के बाद कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने पत्रकारों को बताया, ''वे मणिपुर में हुये अपराधों की सी.बी.आई. जाँच की बात कर रहे हैं। मैं उनसे पूछना चाहूँगा कि क्या अब तक वे (केन्द्र सरकार) सो रहे थे? टी.एम.सी. नेता सुष्मिता देव ने कहा कि यह टीम दोनों समुदायों के प्रतिनिधियों से बात करेगी। उन्होंने कहा ''हर व्यक्ति की आवाज़ सुनी जायेगी। हम कुकी तथा मैतेई दोनों ही समुदायों से बात करेंगे।''

प्रतिनिधिमंडल में कांग्रेस के अधीर रंजन चौधरी तथा गौरव गोगोई, तृणमूल कांग्रेस की सुष्मिता देव, द्रमुक की कनिमोई, राष्ट्रीय लोक दल के मनोज कुमार झा तथा जद (यू) प्रमुख राजीव रंजन (लल्लन) सिंह एवं अन्य नेता शामिल हैं। विपक्षी मोर्चा इंडिया के गठन के बाद, यह इस राज्य का उसका पहला दौरा है। दो दिन के दौरे पर गया विपक्षी नेताओं का यह प्रतिनिधिमंडल आज दोपहर बाद हवाई जहाज से इम्फाल पहुँचा तथा उसके बाद हैलिकॉप्टर से चुरचांदपूर के लिए रवाना हो गया। सूत्रों ने कहा कि ये लोग वहाँ कुकी समुदाय के नेताओं, सिविल सोसायटी तथा महिला ग्रुपों से मिलेंगे।

सूत्रों ने कहा कि यह प्रतिनिधित मंडल इम्फाल लौटने से पहले, राहत-शिविरों के दौरे करेगा तथा हिंसा-पीड़ितों से मिलेगा। यह दल इम्फाल लौट कर मैतेई समुदाय के सदस्यों से भेंट करेगा। । कांग्रेस नेता गोगोई ने मीडिया कर्मियों को बताया कि प्रतिनिधिमंडल ''मणिपुर जाएगा, सच्चाई मालूम करेगा तथा उस सच्चाई को संसद के समक्ष रखेगा।'' टी.एम.सी.

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- ठाकुर ने प्रतिनिधि मण्डल के अधीर रंजन चौधरी पर कटाक्ष किया कि, क्या वे ऐसा ही प्रतिनिधि मण्डल बंगाल व राजस्थान भी ले जायेंगे। जहां महिलाओं के खिलाफ संगीन वारदात हर रोज़ हो रही है।
- ''इण्डिया'' का प्रतिनिधि मण्डल, राहुल गांधी की मणिपुर की यात्रा के ठीक एक महीने बाद मणिपुर आया है।
- आर.जे.डी. के मनोज झा ने कहा, मणिपुर की आवाज सुनने की जरूरत है और हम लोग मणिपुर की जनता, कुकी, मैतेई दोनों से बात कर उनका दर्द समझना चाहते हैं।

राजधानी में बीते 24 घंटे में 8 इंच बारिश, जलमहल ओवर फ्लो

मौसम विभाग ने और ज्यादा भारी बारिश की संभावना जताई, ऑरैन्ज अलर्ट जारी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 29 जुलाई। मूसलाधार बारिश से राजधानी जयपुर में मानो ''ज़लज़ला'' आ गया। शुक्रवार देर रात

क्या आपको कम सुनाई देता है।?
ऑटोमेटिक
कान की मशीनें
स्पीच थैरेपी
कॉकलियर इम्पलांट, ऑडिजम
डिले स्पीच, हकलाना, तुतलाना
PERFECT SPEECH AND HEARING SOLUTIONS
Tonk Road, JAIPUR | Vaishali Nagar, JAIPUR
सम्पर्क- 94602 07080

- 23 वर्ष बाद कानोता बांध पर चादर चली
- सीकर रोड, एम.आई. रोड और जलमहल पर जमा पानी में फंसे कई वाहन।
- भट्टा बस्ती में मकान की दीवारी गिरी, ब्रह्मपुरी में स्कूल की दीवार ढही।

शुरू हुई बारिश का दौर शनिवार को दिनभर चला। इस दौरान सीकर रोड, एम.आई. रोड, जयपुर परकोटा और शहर के तमाम इलाकों की सड़कें दरिया बनकर बहती नज़र आईं। बीते 24 घंटे में राजधानी जयपुर में 8 इंच (203 मि.मी.) बारिश दर्ज की गई।

बारिश के कारण भट्टा बस्ती इलाके में मकान की दीवार गिरने से 7 लोग मलबे में फंस गए, जिन्हें सिविल डिफैंस की टीम ने सुरक्षित बाहर निकाला। इसके अलावा ब्रह्मपुरी स्थित कंवर नगर में भी सरकारी कॉलेज की 80 फीट की दीवार भरभराकर गिर गई। हालांकि दोनों जगह ही कोई जनहानि नहीं हुई है।

भारी बारिश के कारण राजधानी जयपुर में आवाजाही के प्रमुख मार्ग सीकर रोड पर पानी भरने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। ढेहर के बालाजी और अंबाबाड़ी क्षेत्र में कई वाहन पानी में फंस गए, जिन्हें लोगों ने मिलकर बाहर निकाला। कई दुपहिया वाहन चालक दरिया बनी सड़कों पर पानी के तेज बहाव के कारण फिसल गए। जयपुर परकोटा, एम.आई. रोड और पांच बत्ती पर भी मुख्य सड़क कई घंटों तक दरिया बनी रही।

जलमहल की पाल और मुख्य सड़क एक समान नजर आ रही थी। जहाँ नज़र जाती, पानी ही पानी दिख रहा था। आमेर रोड पर रामगढ़ मोड़ और जलमहल स्थित दुकानों में पानी भर गया। जलमहल में आने वाला नाला भी तेज बारिश के कारण ओवर फ्लो हुआ, इससे आसपास की कॉलोनियों में पानी भर गया। जलमहल के सामने सड़क और झील का लैवल बराबर देखकर पुलिस ने सड़क के दोनों तरफ बैरिकेड्स लगाकर यातायात को रोका।

शनिवार की भारी बारिश के कारण जयपुर का कानोता बांध भी 23 साल बाद ओवरफ्लो होकर बहने लगा। दो दशक के बाद बांध पर पानी की चादर चली है। वहीं, कानोता बांध ओवरफ्लो होने से क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर है। जल संसाधन अधिकारी सजंय कुमार ने बताया कि, 17 फीट भराव

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

5 उच्च न्यायालयों में 15 स्थायी न्यायाधीश नियुक्त

नयी दिल्ली, 29 जुलाई (वार्ता) राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पांच उच्च न्यायालयों के 15 अतिरिक्त न्यायाधीशों को पदोन्नत कर स्थायी न्यायाधीश नियुक्त किया है। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय के न्याय विभाग की ओर से शुक्रवार को उनकी नियुक्ति से संबंधित पांच अलग-अलग अधिसूचना जारी की गईं।

अधिसूचना के अनुसार, कलकत्ता उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति कृष्णा राव, न्यायमूर्ति बिभास रंजन डे और न्यायमूर्ति अजय कुमार मुखर्जी को पदोन्नत कर स्थाई न्यायाधीश नियुक्त किया गया है।

इसी प्रकार केरल उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति बसंत बालाजी, न्यायमूर्ति सी के जयचंद्रन, न्यायमूर्ति सोफी थॉमस और न्यायमूर्ति पी. वी. जी. पी. अजित कुमार को स्थाई न्यायाधीश नियुक्त किया गया।

गौहाटी उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति काखेतो सेमा, न्यायमूर्ति देवाशीष बरुआ, न्यायमूर्ति माला नंदी, न्यायमूर्ति मार्ली वानकुंग और न्यायमूर्ति अरुण देव चौधरी को पदोन्नत कर स्थाई न्यायाधीश नियुक्त किया गया है।

वसुंधरा राजे भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 जुलाई। भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जगत प्रकाश

- भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने आज पार्टी की राष्ट्रीय टीम का पुनर्गठन किया, 13 उपाध्यक्ष, 8 महासचिव तथा 13 सचिवों की नियुक्ति की।

नड्डा ने पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी का शनिवार को पुनर्गठन किया। उन्होंने 13 उपाध्यक्ष और 8 महासचिव नियुक्त

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'आर्मी के हेलिकाप्टर में कांग्रेसी नेता खींच रहे हैं सेल्फी'

हिमाचल के पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने कहा कि, आर्मी के ये हैलिकॉप्टर बाढ़ एवं आपदा राहत के लिए यहां आये हैं लेकिन कांग्रेसी नेताओं ने इन्हें अपनी मौजमस्ती का साधन बना लिया है

शिमला, 29 जुलाई (वार्ता)। हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं विपक्ष के नेता जयराम ठाकुर ने कहा कि राज्य में हर साल तीन दौर आते हैं बरसात, गर्मी व सर्दी। बरसात में बाढ़, गर्मी में सूखा और बर्फ में सर्दी की तैयारियां की जाती है। इन तैयारियों को लेकर प्रबंधन की दृष्टि से राज्य स्तर की बैठक का आयोजन किया जाता है, जिसमें मुख्यमंत्री और अफसर दोनों भाग लेते हैं। पर इस बार ऐसी कोई बैठक नहीं हुई। इस सरकार को पता था कि भारी बारिश आने वाली है, मॉनसून जल्दी आने वाला है, तो बैठक को भी जल्दी करना चाहिए था।

जयराम ठाकुर ने शनिवार को एक प्रेस वार्ता संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि आर्मी के जो हेलीकॉप्टर रेस्क्यू के लिए कार्यरत हुए हैं, उसमें कांग्रेस के नेतागण खुद बैठकर जा रहे हैं। उन हेलीकॉप्टरों का इस्तेमाल केवल फंसे लोगों को निकालने के लिए होता है, हमारे समय भी यह हेलीकॉप्टर आए थे पर हमने इनका इस्तेमाल नहीं किया, हमने आर्मी को अपना काम करने दिया था। कांग्रेस के नेता इन हेलीकॉप्टरों में सेल्फी खिंचा रहे हैं, फोटोग्राफी कर रहे हैं और उसके बाद उनको सोशल मीडिया पर डाल रहे हैं। सत्ताधारी पार्टी का यह रुख दुर्भाग्यपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि हिमाचल में बाढ़ और बरसात के कारण भारी क्षित हुई है। जान एवं माल दोनों की क्षित बड़ी तादात में हुई है, यह अप्रत्याशित बारिश थी और हिमाचल में 170 से ज्यादा जाने गई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में निश्चित रूप से इंफ्रास्ट्रक्चर का भी बहुत हुआ है, उन्होंने कहा कि विपक्ष का पक्ष इस संकट के क्षणों में साफ है और हम सरकार को पूर्ण सहयोग दे रहे हैं। हमने सरकार की पूर्ण रूप से मदद की है और भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के दिशा निर्देश अनुसार हमारे कार्यकर्ताओं ने भी एकजुट होकर प्रभावित परिवार को सहायता पहुंचाने का कार्य किया है।

जयराम ठाकुर ने स्पष्ट रूप से कहा कि अगर इस आपदा की घड़ी में राजनीति करने की शुरुआत हुई है तो वह कांग्रेस सरकार ने की है। विपक्ष की ओर से राजनीति कभी की नहीं गई थी, इस संकट की घड़ी में विपक्ष सरकार के साथ और हिमाचल की जनता के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। लगातार सत्ता पक्ष भाजपा पर को आरोप लगाने का प्रयत्न कर रहा है वह दुर्भाग्यपूर्ण है। जयराम ठाकुर ने कहा कि जब हमारी सरकार सत्ता में थी तो हमने बाढ़, कोविड-19 जैसी बड़ी महामारीयां देखी पर उस टाइम भी हिमाचल में इस प्रकार की विफल प्रबंधन नहीं हुआ।

उन्होंने कहा कि विपक्ष की भूमिका होती है कि जहां कमी रही है उसको सरकार के समक्ष लाया जाए, पर विपक्ष को राजनीति के लिए जिम्मेदार ठहराना दुर्भाग्यपूर्ण है।

भाजपा ने मुस्लिम कार्ड खेलाः अलीगढ़ मुस्लिम युनिवर्सिटी के पूर्व वी.सी. को उपाध्यक्ष बनाया

पूर्व वी.सी. तारिक मंसूर ने अलीगढ़ विश्वविद्यालय में एन.आर.सी. व सी.ए.ए. विरोधी प्रदर्शन व बैठकों के मध्य बीच का रास्ता निकालने का प्रयास किया था

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 जुलाई। पूरे मुस्लिम समुदाय तथा खासतौर से पसमन्दा मुस्लिमों, जो मुस्लिम समुदाय का कमजोर वर्ग है, में अपनी पहुँच को और अंदर तक ले जाने के स्पष्ट उद्देश्य से उठाये गये एक बड़े कदम के अन्तर्गत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्देशानुसार, भाजपा ने आज अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के पूर्व वाइस चांसलर ताकिर मंसूर को राष्ट्रीय कार्यकारिणी के पदाधिकारी के रूप में शामिल कर लिया है। तारिक मंसूर को पार्टी के उपाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया है।

पार्टी के हाईकमान के निर्देश की अनुपालना में, भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने, राष्ट्रीय कार्यकारिणी का पुनर्गठन एवं राष्ट्रीय पदाधिकारियों की नियुक्ति करते हुये, मंसूर को अपनी टीम में शामिल कर लिया है। राष्ट्रीय कार्यकारिणी का पुनर्गठन लोकसभा एवं विधानसभा चुनावों को मद्देनज़र रखते हुये किया गया है। तारिक मंसूर ए.एम.यू., जो एन.आर.सी. एवं सी.एस. विरोध का प्रमुख अड्डा था, को ''मध्यम मार्ग'' पर लाने में सहायक रहे थे तथा बाद में आर.एस.एस. के उस प्रोजैक्ट के साथ बड़ी तत्परता के साथ जुड़ गये थे, जिसके अन्तर्गत, मुगल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- तारिक मंसूर ने अलीगढ़ विश्वविद्यालय में औरंगज़ेब के भाई दारा शिकोह पर रिसर्च व अध्ययन को प्रोत्साहित किया था। जैसा कि विदित ही है, दारा शिकोह औरंगज़ेब की तुलना में हिन्दू-मुस्लिम सह अस्तित्व के हिमायती थे।
- तारिक मंसूर चौथे मुस्लिम नेता हैं, जिन्हें भाजपा ने यू.पी. की विधान परिषद का सदस्य बनाया है।

शिव काशी पटाखा फैक्ट्री में आग, 8 जने मरे

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 जुलाई। देश में पटाखा निर्माण का केन्द्र माने जाने वाले

- पटाखों के कन्साइनमैंट की अनलोडिंग के दौरान हुई लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ।

शिवाकाशी में शनिवार को एक और अग्निकाण्ड हुआ, जिसमें आठ लोगों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अगले पांच फैसले बदल सकते हैं देश की राजनीति की दिशा

इनमें से कुछ मामले सुप्रीम कोर्ट में लंबित हैं तो कुछ चुनाव आयोग के समक्ष हैं

नई दिल्ली, 29 जुलाई। अगले साल देश में आम चुनाव हैं और सभी राजनीतिक दलों ने अभी से कमर कस ली है और तैयारी शुरू कर दी है। राजनीतिक दल एक एक कदम साध कर रख रहे हैं और हर एक बयान चुनावी गणित का जोड़ घटाना लगा कर दे रहें हैं, लेकिन कुछ ऐसे मामले हैं जिन पर आने वाले फैसले लोकसभा चुनाव की सियासी बयार बदल सकते हैं। इनमें से कुछ मामले सुप्रीम कोर्ट में लंबित हैं तो कुछ चुनाव आयोग के समक्ष हैं।

जिन मामलों पर आने वाले फैसले देश की चुनावी राजनीति को प्रभावित करेंगे उनमें जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 निरस्त किया जाना, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और वरिष्ठ नेता राहुल गांधी की अयोग्यता, दिल्ली सरकार में सेवाओं पर नियंत्रण के मामले में केंद्र द्वारा लाए गए अध्यादेश की वैधानिकता और शिवसेना के शिंदे गुट के विधायकों की अयोग्यता का सुप्रीम कोर्ट में लंबित मामला है।

इसके अलावा एनसीपी से अलग हुए अजित पवार गुट और शरद पवार गुट के बीच पार्टी की दावेदारी को लेकर चुनाव आयोग में अर्जियां गई हैं और एनसीपी पार्टी का भविष्य तय करने वाला मामला चुनाव आयोग में है। सुप्रीम कोर्ट की पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ दो अगस्त से जम्मू कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को निरस्त किये जाने के केंद्र सरकार के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करेगी।

सुनवाई करने वाली पांच सदस्यीय पीठ में प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के अलावा जस्टिस संजय किशन कौल, जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस सूर्यकांत हैं।

इस पीठ में शामिल जस्टिस संजय किशन कौल इसी वर्ष दिसंबर में सेवानिवृत हो जाएंगे ऐसे में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के मामले में सुनवाई पूरी होकर उससे पहले फैसला आ सकता है। हालांकि, ये आने वाले फैसले पर निर्भर करेगा कि कौन सा राजनीतिक दल उस पर क्या रुख अपनाता है, लेकिन जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटने के बाद ये पहला लोकसभा चुनाव होगा।

राजनीतिक लिहाज से अगर देखा जाए तो सबसे महत्वपूर्ण मामला राहुल गांधी की अयोग्यता का है। राहुल गांधी को गुजरात की एक अदालत ने आपराधिक मानहानि में दोषी ठहराते हुए दो वर्ष के कारावास की सजा सुनवाई है।

राहुल गांधी ने सजा के खिलाफ अपील दाखिल कर दी है और उनकी सजा के क्रियान्वयन पर रोक लगा कर उन्हें जमानत भी मिल गई है, लेकिन दो वर्ष की कैद होने के कारण राहुल गांधी चुनाव लड़ने और सदन के सदस्य होने के अयोग्य हो गए हैं। गुजरात की सत्र अदालत और गुजरात हाई कोर्ट राहुल गांधी की दोष सिद्धि पर रोक लगाने की मांग ठुकरा चुका है।